सफलता की कहानी

मैं सतीश्वर पुत्र खचेडू ग्राम दोयमी विकास खण्ड हापुड़ का निवासी हूँ। मैं पूर्व में अपनी औद्यानिक फसलों को उगाने के लिए सिंचाई नलकूप द्वारा पूरे खेत में पानी भरकर किया करता था। श्री सतीश कुमार सहायक उद्यान निरीक्षक मेरे खेतों पर आये जिसमें उन्होने उद्यान विभाग द्वारा चल रहे कृषक प्रशिक्षणों एवं कृषक गोष्ठियों में ड्रिप सिंचाई की जानकारी दी गयी। मैने जिला उद्यान अधिकारी महोदय से एवं विभाग के कर्मचारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया तथा मुझे खरीफ मौसम में खीरा की खेती की जानकारी दी। तथा उद्यान विभाग के कर्मचारियों ने मुझे मेरे खेतों में ड्रिप सिंचाई लगाने की सलाह दी। मैने उद्यान विभाग के मार्गदर्शन के अनुसार अपनी फसल में 0.67 है0 क्षेत्रफल में ड्रिप लगवाने हेतु ऑनलाईन पंजीकरण कराते हुए अपने खतों में 0.67 है0 में ड्रिप सिंचाई की स्थापना करायी गयी। जिससे मुझे काफी लाभ हुआ है। फसल की पैदावार पहले की अपेक्षा लगभग डेढ़ गुना अधिक हुई है। जिसमें मेरे खेत की लागत भी बहुत कम हुई है। जैसे निराई गुढ़ाई, पानी की बचत, समय की बचत आदि। मेरे अनुदान की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से मेरे बैंक खाते में हस्तांतरित हो गयी। उद्यान विभाग के कर्मचारियों से मेरा अनुरोध है कि अन्य कृषकों को भी इसी तरह लाभन्वित किया जाये जिससे कृषकों की फसल का उत्पादन अधिक से अधिक हो और उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार आ सके। मैं उद्यान विभाग/उद्यान विभाग के कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ।

सफलता की कहानी

मैं विपिन कुमार पुत्र श्री सरजीत ग्राम गोयना विकास खण्ड हापुड़ का अनुसूचित जाति का कृषक हूँ। मैं पूर्व से ही औद्यानिक फसलें यथा टमाटर, मिर्च, बैंगन, भिण्डी आदि की फसल करता आ रहा हूँ। जिसमें मैं अपने नलकूप द्वारा खेतों में साधारण तरीके से सीधे ही पूरे खेत में एक साथ सिचाई करता था। वित्तीय वर्ष 2017–18 में श्री सतीश कुमार सहायक उद्यान निरीक्षक मेरे खेतों पर आये तथा उन्होने योजनाओं की जानकारी दी। उद्यान विभाग द्वारा चल रहे कृषक प्रशिक्षणों एवं कृषक गोष्ठियों में ड्रिप सिंचाई की जानकारी दी। उन्होने बताया योजना के अन्तर्गत ड्रिप सिंचाई हेतु सरकार द्वारा अनुदान के रूप में लघु कृषकों को 90 प्रतिशत एवं सामान्य कृषकों को 80 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। श्री कुमार ने यह भी जानकारी दी कि यदि आप मल्चिंग द्वारा टमाटर की खेती ड्रिप स्थापना के साथ करते हैं तो आपकी उपज लगभग दोगुना बढ़ जायेगी। उसी समय मुझे समझ आया कि मुझे ड्रिप स्थापित करा लेनी चाहिए। तभी मैनें श्री सतीश कुमार को अपने जमीन के कागज तथा बैंक पासबुक एवं अन्य कागज भी उपलब्ध कराये। और पहले आवक पहले पावक के आधार पर मैने पंजीकरण कराया और अपने खेत पर मैने 2.00 है0 ड्रिप स्थापित की तथा अनुदान की धनराशि मेरे बैंक खाते में डी बी टी के माध्यम से प्राप्त हो गयी। मेरे खेत में टमाटर की फसल से दोगुना उत्पादन हुआ है। इसके साथ–साथ सिंचाई करने में कम समय लगता है तथा पानी की भी बचत होती है। इसी के साथ मेरी आर्थिक स्थिति में ओर सुधार आया है। मैं उद्यान विभाग/उद्यान विभाग के कर्मचारियों को धन्यवाद देता हूँ।